

कांग्रेस नेता ने वंदे मातरम पर कांग्रेस वर्किंग कमेटी के बयान को भारत के बंटवारे से जोड़ने के लिए प्रधानमंत्री पर हमला बोला

विशाल कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर 1937 में वंदे मातरम पर कांग्रेस वर्किंग कमेटी के बयान को भारत के बंटवारे से जोड़ने के लिए हमला बोला है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री की टिप्पणियों का जवाब देने के लिए महात्मा गांधी के द कलेक्ट्रेड वर्क्स से कुछ अंश शेयर किए, जिसके मुताबिक, कांग्रेस वर्किंग कमेटी ने 28 अक्टूबर 1937 को रवींद्रनाथ टैगोर की सलाह से प्रभावित वंदे मातरम् के बारे में एक बयान जारी किया था।

राष्ट्रीय सभाओं में गाने के सिर्फ पहले दो पंक्ति ही गाई जानी चाहिए, क्योंकि वे बिना किसी धार्मिक संदर्भ के भारत की

सुंदरता और भावना को दर्शाते हैं। जिन पंक्तियों में धार्मिक बातें थीं, उनका इस्तेमाल बहुत कम होता था। कमेटी ने माना कि मुस्लिम नेताओं ने गाने के कुछ हिस्सों पर आपत्ति जताई थी और उन चिंताओं को सही माना। कमेटी ने यह भी कहा कि पहली दो पंक्तियां राष्ट्रीय आंदोलन का एक अटूट हिस्सा थे और ब्रिटिश शासन के खिलाफ भारत की एकता का प्रतीक थे।

शनिवार को रमेश ने प्रभात कुमार मुखोपाध्याय की लिखी और 1994 में विश्व-भारती द्वारा पब्लिश रवींद्रनाथ टैगोर की बायोग्राफी, रवींद्र-जीवनी के वॉल्यूम 4 के पन्नों के स्क्रीनशॉट शेयर किए। जिस स्क्रीनशॉट को रमेश ने एक्स पर शेयर किया उसके मुताबिक, जब सलाह ली गई

तो रवींद्रनाथ टैगोर ने तीन सलाह दीं। उन्हें पहली दो पंक्तियां पूरी तरह से ठीक लगी लेकिन बाद की पंक्तियों में व्यक्त भावनाओं से वे सहमत नहीं हो सके।

अपनी पोस्ट में जयराम रमेश ने कहा कि जवाहरलाल नेहरू को लिखे गए पत्र में रवींद्रनाथ टैगोर ने लिखा कि गाने के पहले हिस्से में दिखाए गए प्यार और भक्ति से मैं पूरी तरह बहुत भावुक हो गया, जो हमारी मातृभूमि की सुंदरता और उदारता को दिखाता है।

मुझे इन छंदों को बाकी कविता और जिस किताब से ये लिए गए हैं, उससे अलग करने में कोई दिक्कत नहीं हुई, क्योंकि मैं बाकी हिस्सों से खुद को जोड़ नहीं पाया, क्योंकि मेरा पालन-पोषण मेरे पिता के एकेश्वरवादी आदर्शों में हुआ था।

पीड़ित को कानूनी सहायता देना परोपकार नहीं हमारा नैतिक दायित्व भी

अनुष्का कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। पीड़ित को कानूनी सहायता देना केवल परोपकार नहीं है बल्कि हमारा नैतिक दायित्व भी है। इस प्रक्रिया में जो लोग भी शामिल हैं उनका उद्देश्य देश के प्रत्येक नागरिक को कानून व्यवस्था का लाभ दिलाने का होना चाहिए। यह बात देश के प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई ने रविवार को लीगल सर्विसेज डे पर आयोजित कार्यक्रम में कही।

जो भी अधिकारी, प्रशासनिक तंत्र और स्वयंसेवक कानूनी सहायता देने के कार्यक्रम से जुड़े हुए हैं वे अपने कार्य को नैतिक दायित्व मानते हुए अंजाम दें। यह कानून पर आधारित शासन व्यवस्था के लिए आवश्यक है।

विचार कीजिए, न्यायपालिका के प्रशासक सरकारी खजाने के प्रत्येक रुपये के खर्च के लिए योजना बनाएं, परियोजना के कार्य में सहयोग दें और उस रुपये का देश को ज्यादा से ज्यादा लाभ दिलाने का कार्य करें तो कितना अच्छा होगा। इससे जरूरतमंदों को योजनाओं का ज्यादा लाभ मिलेगा जीवन स्तर ऊंचा उठेगा।

एसआइआर प्रपत्र नहीं मिला भय के कारण नाबालिग बेटी के साथ आत्महत्या का प्रयास किया

अनुष्का कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। रविवार को बंगाल के हुगली जिले में 27-वर्षीय एक महिला ने विशेष गहन पुनरीक्षण से संबंधित गणना प्रपत्र नहीं मिलने के बाद भय के कारण अपनी नाबालिग बेटी के साथ कथित तौर पर आत्महत्या का प्रयास किया। यह दावा उसके परिवार ने किया।

यह कथित घटना शनिवार को जिले के धनियाखाली स्थित महिला के घर पर घटी। पुलिस ने बताया कि महिला और उसकी बेटी फिलहाल एसएसकेएम अस्पताल के आईसीयू में गंभीर हालत में हैं। पुलिस ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है। महिला के पिता के अनुसार, वह बहुत परेशान थी, उसे एसआइआर प्रपत्र नहीं मिला था, जबकि परिवार के अन्य सदस्यों को मिल गया था। उन्होंने कोलकाता में अपनी बेटी से

मिलने के बाद कहा कि वह डरी हुई थी, क्योंकि उसके पास कोई दस्तावेज नहीं थे और उसे डर था कि कहीं उसे निर्वासित न कर दिया जाए। घबराहट के कारण उसने अपनी बेटी के साथ जहर खा लिया। वैवाहिक विवाद के बाद वह पिछले छह सालों से जिले के धनियाखली स्थित अपने पैतृक घर में रह रही थी। कुछ दिनों से मानसिक तनाव में थी।

धनियाखली से तृणमूल कांग्रेस विधायक असीमा पात्रा ने भाजपा पर राष्ट्रीय नागरिक पंजी और डिटेंशन कैप के बारे में भ्रामक बयान देकर लोगों में भय उत्पन्न करने का आरोप लगाया।

पात्रा ने कहा कि जब भाजपा नेता लोगों को डिटेंशन कैप में भेजने की बात करते हैं, तो इससे पूरे बंगाल में दहशत फैल जाती है। कुछ दिन पहले जिले के डानकुनी में भी ऐसा ही मामला हुआ था।

गिरते तापमान के साथ सांसों का संकट भी बढ़ता जा रहा

अनुष्का कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली में गिरते तापमान के साथ सांसों का संकट भी बढ़ता जा रहा है। बीते दिन इसे लेकर कई लोगों ने इंडिया गेट पर मार्च निकाला। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी अब दमघोंटू हवा को लेकर सरकार को घेरना शुरू कर दिया है। उनका कहना है कि साफ हवा में सांस लेना हर नागरिक का मौलिक अधिकार है। ऐसे में आम नागरिकों के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार नहीं होना चाहिए।

दिल्ली में वायु प्रदूषण के लिए राहुल

गांधी ने सत्ताधारी बीजेपी पर निशाना साधा है। बीजेपी पर वोट चोरी का आरोप लगाते हुए प्रदूषण पर सख्त कदम उठाने की मांग की है, जिससे लाखों भारतीयों का भविष्य और स्वास्थ्य खतरे में है।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि साफ हवा में सांस लेना मानवाधिकार है। संविधान भी शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अनुमति देता है। जो नागरिक साफ हवा की मांग कर रहे थे, उनके साथ अपराधियों जैसा व्यवहार क्यों हो रहा है? वायु प्रदूषण का

करोड़ों भारतीयों पर बुरा असर पड़ रहा है। इससे बच्चों को नुकसान पहुंच रहा है और हमारे देश का भविष्य भी खतरे में है।

राहुल गांधी ने सत्ताधारी बीजेपी पर निशाना साधा कि जो सरकार वोट चोरी से सत्ता में आई हो, वो लोगों की परवाह नहीं करेगी। वो इस मुसीबत का हल नहीं निकालेंगे। हमें वायु प्रदूषण के खिलाफ तुरंत कदम उठाने की जरूरत है। बीते दिन इंडिया गेट पर वायु प्रदूषण के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोगों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया था।

भारत किसी भी स्थिति के लिए तैयार: राजनाथ सिंह

विशाल कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत किसी भी स्थिति के लिए तैयार है। वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के इस दावे पर जवाब दे रहे थे कि पाकिस्तान चुपके से न्यूक्लियर हथियारों का टेस्ट कर रहा है।

ट्रंप की टिप्पणियों के बाद बढ़ी अटकलों पर कहा कि जो लोग टेस्ट करना चाहते हैं, उन्हें करने दें; हम किसी भी स्थिति के लिए तैयार हैं। अगर पाकिस्तान टेस्ट करता है तो क्या भारत भी ऐसा ही करेगा? उन्होंने जवाब दिया, पहले देखते हैं कि वे ऐसा करते हैं या नहीं।

यह टिप्पणी राष्ट्रपति ट्रंप के उस ऐलान के कुछ दिनों बाद आई है जिसमें उन्होंने

कहा था कि अमेरिका 30 साल से ज्यादा समय बाद न्यूक्लियर हथियारों का टेस्ट फिर से शुरू करेगा और इसके लिए उन्होंने दूसरे देशों द्वारा हाल ही में किए गए टेस्ट का हवाला दिया था। ट्रंप ने खास तौर पर पाकिस्तान का उदाहरण देते हुए आरोप लगाया कि इस्लामाबाद लगातार न्यूक्लियर टेस्ट कर रहा है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था, चोरी-छिपे और गैर-कानूनी न्यूक्लियर एक्टिविटीज पाकिस्तान के इतिहास के मुताबिक ही हैं, जो दशकों से स्मगलिंग, एक्सपोर्ट कंट्रोल के उल्लंघन, सीक्रेट पार्टनरशिप, एक्यू खान नेटवर्क और आगे न्यूक्लियर हथियारों के प्रसार के इर्द-गिर्द घूमता रहा है।

सांसद ने भाजपा नेता का बचाव किया

अनुष्का कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भाजपा के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी का बचाव किया है। दरअसल, आडवाणी को जन्मदिन की बधाई देने पर एक वकील ने ऑनलाइन उनकी कड़ी आलोचना की थी।

उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्रियों जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी का उदाहरण देते हुए कहा कि सालों तक सार्वजनिक सेवा करने के बाद किसी एक घटना के आधार पर किसी व्यक्ति को जज करना गलत है। भाजपा के संस्थापक सदस्य और 2002-2004 के दौरान देश के उप प्रधानमंत्री रहे

आडवाणी कल 98 साल के हो गए। उन्हें उनके खास दिन पर बधाई देते हुए थरूर ने वरिष्ठ नेता के साथ अपनी एक पुरानी फोटो शेयर की, जिसमें उन्होंने आडवाणी को एक सच्चा राजनेता बताया, जिनकी सेवा भरी जिंदगी मिसाल है और जो सार्वजनिक सेवा के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। एलके आडवाणी को 98वें जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं! सार्वजनिक सेवा के प्रति उनका अटूट समर्पण, उनकी विनम्रता और शालीनता, और आधुनिक भारत की दिशा तय करने में उनकी भूमिका अविस्मरणीय है।

चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस ने अपनी शंघाई-दिल्ली फ्लाइट की शुरुआत की

अनुष्का कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। चीन की विमानन कंपनी चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस ने रविवार को अपनी शंघाई-दिल्ली फ्लाइट की शुरुआत की। इसकी 95 प्रतिशत सीटें भरी हुई थीं। इसी के साथ पिछले पांच सालों में भारत के लिए सीधे उड़ान शुरू करने वाली यह चीन की पहली एयरलाइन बन गई है।

चाइना ईस्टर्न की यह सेवा सप्ताह में तीन दिन बुधवार, शनिवार और रविवार को चलेगी। चीन ईस्टर्न की फ्लाइट दिल्ली से रात आठ बजे रवाना होगी और सोमवार सुबह शंघाई पहुंचेगी। यह फ्लाइट शंघाई से दोपहर 12.30 बजे निकलेगी और शाम छह बजे दिल्ली पहुंचेगी।

ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को 248 यात्रियों को लेकर उड़ान संख्या एमयू 563 शंघाई पुडोंग अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से दिल्ली के लिए रवाना हुई। भारतीय विमानन कंपनी इंडिगो

10 नवंबर से अपनी दैनिक दिल्ली-ग्वांगझू उड़ान शुरू करेगी।

शंघाई-दिल्ली मार्ग दोनों देशों के प्रमुख आर्थिक केंद्रों को जोड़ने वाला माना जाता है और इससे व्यापार, अर्थव्यवस्था और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय संबंध 1962 के युद्ध के बाद से तब से अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए थे, जब जून 2020 में गलवन घाटी में हिंसक झड़पें हुई थीं।

कई दौर की कूटनीतिक और सैन्य वार्ताओं के बाद दोनों पक्षों ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा के विभिन्न तनाव बिंदुओं से सैनिकों को वापस बुला लिया है। हाल के महीनों में दोनों पक्षों ने कैलाश मानसरोवर यात्रा को फिर से शुरू करने और उड़ान सेवाओं को बहाल करने सहित दोनों देशों के संबंध फिर से मजबूत करने के लिए कई उपाय किए हैं।



बागपत में मतदाता विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान तेज युवा संवाद कार्यक्रम आयोजित

नितिन कुमार सिंह, 9.11, बागपत। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में मतदाता सूची का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान तेज हो गया है। अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर नए मतदाताओं के नाम जोड़ने, संशोधन करने और सुधार की प्रक्रिया के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी अस्मिता लाल के निर्देशन में घर-घर सर्वेक्षण शुरू है।

इसी क्रम में जिलाधिकारी ने विधानसभा क्षेत्र 51 बड़ौत के भाग संख्या 139 और 151 में पहुँचकर मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित किए और कार्य का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया इस अवसर पर जनपद की बागपत बड़ौत छपरायली विधानसभा में समस्त एसडीएम एडीएम ने यह कार्य सम्पन्न किया। जिलाधिकारी ने स्थानीय नागरिकों से अपील की कि पात्र होने पर अपना नाम अवश्य शामिल कराएँ और किसी भी प्रकार की गलती या जानकारी में त्रुटि होने पर समय रहते सुधार कराएँ।

जिले में सभी उप जिला निर्वाचन अधिकारी और सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी भी अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में सक्रिय रूप से गणना प्रपत्र वितरण एवं मतदाता सूची सत्यापन कार्य का पर्यवेक्षण कर रहे हैं। स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि कोई भी पात्र नागरिक मताधिकार से वंचित न रह जाए। इसके लिए बूथ लेवल अधिकारी को घर-घर जाकर गणना प्रपत्र

मुस्लिम दंपति ने श्लोक पढ़कर कार्रवाही की मांग की

नितिन कुमार सिंह, 9.11, बागपत। खेकड़ा कस्बे के शेखपुरा मोहल्ले के रहने वाले इकबाल लम्बे समय से परिवार वालों से प्रताड़ित है जिसके चलते बीते रविवार को खेकड़ा थाने के बहार इकबाल और उसकी पत्नी अफसाना ने भजन श्लोक पढ़े तो खेकड़ा पुलिस हरकत में नजर आई और धड़ा-धड़ दी।

इकबाल का कहना है कि परिवार उनके साथ लम्बे समय से मारपीट करता है और आजतक कार्रवाही नहीं की गई। इकबाल और उसकी पत्नी अफसाना का कहना है कि वे जिले के प्रसिद्ध मंशा देवी मंदिर, पुरा महादेव मंदिर, गुफा मंदिर, मंदिर, जैन मंदिर बड़ागांव सहित दूसरे जनपदों में भी खेल खिलोने आदि बेचकर अपने परिवार का जीवन यापन कर रहे हैं। जिससे उनके वितरित करने के लिए लगाया गया है। कार्य की निगरानी सुपरवाइजर्स के माध्यम से की जा रही है, ताकि सूची में गलत नामों को हटाने और छूटे हुए नाम जोड़ने की प्रक्रिया सुचारु रूप से चल सके।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया की शुचिता के लिए मतदाता सूची का सही और अद्यतन होना अत्यंत आवश्यक है। 01 जनवरी 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले सभी युवाओं को नए मतदाता के रूप में

परिजन खुश नहीं है। इकबाल की पत्नी अफसाना का कहना है कि परिजन कहते हैं कि तुम शरीयत व मुस्लिम धर्म के खिलाफ लगातार काम कर रहे हो।

इकबाल और उसकी पत्नी को तब बड़ी दिक्कत आई जब उन्हें हर रोज उनके ही परिजनो द्वारा मंदिरों में जाने से रोका गया। अफसाना का कहना है कि हमें गंगा स्नान पर हमें सामान बीचने नहीं जाने दिया गया। होई अस्टमी करवा चौथ गणेश लक्ष्मी शिव राम-सीता आदि भगवानों की तस्वीर व अन्य सामान भी घर में ही रखा रह गया जिससे परिवार चलने में मुश्किल हो रही है। मुस्लिम दंपति ने प्रशासन से भी गुहार लगाई है। इसी के चलते इकबाल ने खेकड़ा थाने के बहार भजन श्लोक पढ़कर कार्रवाही की मांग की थी।

पंजीकरण का अवसर प्रदान किया जा रहा है। नागरिक अपने आधार, पहचान पत्र और पते संबंधी दस्तावेज तैयार रखें, जिससे सत्यापन कार्य में विलंब न हो।

अभियान की प्रगति की दैनिक समीक्षा की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जिले में मतदाता सूची के शत-प्रतिशत सत्यापन और सुधार को लक्ष्य बनाकर कार्य किया जा रहा है। प्रशासन का उद्देश्य है कि आगामी चुनाव में जिले में एक भी पात्र मतदाता वोट देने से वंचित न रहे।

जिला युवा अधिकारी डॉ. योगेश कुमार ने विभिन्न युवा मंडलों के अध्यक्षों और यूथ लीडर्स से संवाद करते हुए आगामी योजनाओं, कार्यक्रमों एवं युवाओं के लिए उपलब्ध अवसरों की विस्तृत जानकारी दी।

नितिन कुमार सिंह, 9. 11, बागपत। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार की इकाई माय भारत केंद्र बागपत के तत्वावधान में रविवार को ऑनलाइन युवा संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला युवा अधिकारी डॉ. योगेश कुमार ने विभिन्न युवा मंडलों के अध्यक्षों और यूथ लीडर्स से संवाद करते हुए आगामी योजनाओं, कार्यक्रमों एवं युवाओं के लिए उपलब्ध अवसरों की विस्तृत जानकारी दी।

जिला युवा अधिकारी डॉ. योगेश कुमार ने बताया कि 12 नवंबर को सम्राट पृथ्वीराज चौहान डिग्री कॉलेज में वृहद रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा, जिसमें सैकड़ों कंपनियों की भागीदारी होने से युवाओं को कंपनियों, कौशल प्रशिक्षण संस्थानों और करियर विकल्पों से रूबरू होने का अवसर मिलेगा।

इसी के साथ 18 नवंबर को सरदारस्व150 यूनिटी मार्च तथा 19 नवंबर से शुरू हो रहे सांसद खेल महोत्सव में युवाओं की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित

किए जाने की अपील की। उन्होंने युवाओं को आगामी सिविल डिफेंस स्वयंसेवक के रूप में प्रशिक्षण कार्यक्रम से जुड़ने के लिए भी प्रोत्साहित किया। इस प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं को आपदा प्रबंधन, प्राथमिक चिकित्सा और राहत कार्यों का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया जाएगा।

कार्यक्रम में केनरा बैंक क्षेत्रीय कार्यालय से वरिष्ठ प्रबंधक अभय नाथ मिश्र ने युवाओं को वित्तीय समावेशन के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज के दौर में युवाओं के लिए बैंकिंग सेवाओं, वित्तीय योजना और कौशल विकास कार्यक्रमों से जुड़ना बेहद आवश्यक है। साथ ही आर-सेटी द्वारा संचालित प्रशिक्षणों में शामिल होकर स्वरोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देने की बात कही।

कार्यक्रम के दौरान युवाओं ने बेरोजगारी, कौशल विकास, ग्रामीण खेल संस्कृति और सामुदायिक नेतृत्व से जुड़े कई प्रश्न पूछे और सुझाव भी साझा किए। माय भारत मेंटोर अमन कुमार ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा बताया कि माय भारत केंद्र द्वारा प्रत्येक सप्ताह इसी प्रकार संवाद का आयोजन किया जाएगा ताकि अधिक से अधिक युवाओं तक योजनाओं की जानकारी पहुंच सके। कार्यक्रम में अमीर खान, प्रिया शर्मा, निखिल, सुषमा त्यागी, आदित्य दीक्षित, गुलफसा राजपूत सहित कई युवा शामिल रहे।

कोशिश करो

तैयार रहो

सेवा करो

श्रीराम बाजपेयी स्काउट-गाइड एसोसिएशन

पंजीकरण संख्या- S/703/2014-दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी 2014, संपूर्ण भारतवर्ष
वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ इंडिपेंडेंट स्काउट्स-गाइड्स जर्मनी से भी संबंध
प्रधान कार्यालय: निर्भय एनक्लेव, खेकड़ा (बागपत) उ.प्र. पिन-250101
Email:- subhashchand4@gmail.com, Mob- 09837749557- 0931242244



संपूर्ण भारतवर्ष में श्रीराम बाजपेयी स्काउट-गाइड एसोसिएशन ऑफ इंडिया के माध्यम से, स्काउट-गाइड प्रशिक्षण कैंप, स्पोर्ट्स एक्टिविटीज, सिलाई सेंटर हेतु संपर्क करें।
स्काउट गाइड संस्थाओं NCC, NSS से जुड़े भाई-बहनो जुड़ने को प्राथमिकता।

(सुभाष चंद कश्यप, राष्ट्रीय महासचिव, श्रीराम बाजपेयी स्काउट गाइड एसोसिएशन)

बागपत लोकसभा की जनता जनार्दन आशीर्वाद दे
तो एक बार फिर 2029 में निर्दलीय चुनाव लड़ूंगा



सुभाष चंद कश्यप पूर्व सांसद प्रत्याशी बागपत लोकसभा 2014

सम्पादकीय.....

लैंसेट की रिपोर्ट में चौंकाने वाला आंकड़ा सामने आया

पिछले हफ्ते लैंसेट की रिपोर्ट में एक चौंकाने वाला आंकड़ा सामने आया जिसमें साल 2022 में वायु प्रदूषण के कारण भारत में 17 लाख लोगों की मौत हुई, जो साल 2010 के मुकाबले 38 फीसदी ज्यादा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इनमें से लगभग 7.5 लाख मौतों के लिए अकेले जीवाश्म ईंधन जिम्मेदार थे, जिनमें से लगभग चार लाख मौतें कोयले से हुई। वैश्विक स्तर पर, जीवाश्म ईंधन से जुड़े वायु प्रदूषण के कारण 25.2 लाख मौतें हुई। यह निष्कर्ष ऐसे समय में आया है जब दिल्ली और उत्तर भारत के बड़े हिस्से एक बार फिर घने सर्दियों के धुंध की चपेट में हैं। शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक 360 को पार कर गया।

कई इलाकों में पीएम 2.5 का स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन की सुरक्षित सीमा से 20 गुना ज्यादा था, जिसके कारण स्कूलों को बंद करना पड़ा और ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान के तहत प्रतिबंध फिर से लागू करने पड़े। हालांकि स्वतंत्र अनुमान वर्षों से भारत को दुनिया के सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में रखते रहे हैं, लेकिन सरकार का आधिकारिक रुख नहीं बदला है।

इस जुलाई में संसद में एक लिखित जवाब में, पर्यावरण मंत्रालय ने दोहराया कि केवल वायु प्रदूषण के कारण होने वाली मौतों को स्थापित करने के लिए कोई निर्णायक आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। लेकिन लैंसेट के ताजा वैश्विक आकलन में संदेह की कोई गुंजाइश नहीं है। गंदी हवा, बढ़ता तापमान और जलवायु-जनित चरम सीमाएं मिलकर हमारे समय का सबसे बड़ा रोकथाम योग्य जन-स्वास्थ्य संकट पैदा कर रही हैं।

जिन देशों ने कोयले का उपयोग कम किया, उन्हें लाभ हुआ। 2010 और 2022 के बीच, कोयले का उपयोग बंद करने वाले हाई इनकम वाले देशों में पीएम 2.5 से होने वाली मौतों में 5.8ब की गिरावट दर्ज की गई। यह इस बात का सबूत है कि नीतियां कारगर हैं, भारत का सबसे तेज स्वास्थ्य लाभ स्वच्छ ऊर्जा और परिवहन में निहित है।

सरकार ने अंगदान को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न उपाय सुझाए

हादसे के शिकार लोगों की जान बचाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे, लेकिन मानव अंग एवं टिश्यू प्रतिरोपण अधिनियम, 1994 और उसके नियमों में निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुसार चिह्नित ब्रेन स्टेम मृत्यु मामलों में अंगदान पर विचार किया जा सकता है।

तरुण कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने राज्यों को अंगदान को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न उपाय सुझाए हैं। इनमें कर्मियों को प्रशिक्षण देना, अस्पतालों में विशेष टीम नियुक्त करना, ट्रामा सेंटरों को अपग्रेड करना और उन्हें अंग पुनर्प्राप्ति केंद्रों के रूप में पंजीकृत करना आदि शामिल हैं।

देश में अंगदान की दर प्रति 10 लाख जनसंख्या पर एक मृतक दाता से भी कम है। केंद्र सरकार ने सभी राज्यों से कहा है कि वे आपात स्थिति में पुलिस कर्मियों, एंबुलेंस चालकों और पैरा-मेडिकल कर्मचारियों जैसे कर्मियों के लिए राज्य और जिला स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करें, ताकि सड़क दुर्घटना के शिकार लोगों के अंग और टिश्यू दान कराने में सुविधा हो।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अधीन

राष्ट्रीय अंग एवं टिश्यू प्रत्यारोपण संगठन के निदेशक डॉ. अनिल कुमार ने एक पत्र में कहा कि भारत में प्रतिरोपण के लिए अंगों की भारी कमी है तथा हजारों मरीज विभिन्न अंगों के लिए प्रतीक्षा सूची में हैं। पत्र में कहा गया है कि सड़क दुर्घटनाओं के कारण बड़ी संख्या में मौतें होती हैं, खासकर युवा और स्वस्थ लोगों की।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की भारत में सड़क दुर्घटनाएं 2023 नामक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2023 में सड़क दुर्घटनाओं में लगभग 1.70 लाख लोग मारे गए, जो संभावित अंगदाता हो सकते थे। इसमें कहा गया है, समय पर पहचान और रेफरल के अभाव में इनमें से कई संभावित अंगदाता व्यर्थ हो जाते हैं।

हादसे के शिकार लोगों की जान बचाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे, लेकिन मानव अंग एवं टिश्यू प्रतिरोपण अधिनियम, 1994 और उसके नियमों में निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुसार चिह्नित ब्रेन स्टेम मृत्यु मामलों में अंगदान पर विचार किया जा सकता है।

डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि आपात स्थिति में पुलिस कर्मियों, एंबुलेंस चालकों और अन्य कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने सुझाव दिया कि इन कर्मियों से निकटतम ट्रामा सेंटर या अस्पतालों में सूचना प्रसारित करने के लिए तंत्र स्थापित किया जाना चाहिए। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को प्रशिक्षण आयोजित करने की आवश्यकता है।

आवारा कुत्तों की समस्या राष्ट्रीय चिंता का विषय

अनुष्का कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले के बाद आवारा कुत्तों की समस्या भले ही राष्ट्रीय चिंता का विषय है, लेकिन राज्यों की तैयारी बहुत कमजोर है। आश्रय स्थल बनाना तो दूर कुत्तों के काटने से होने वाले रेबीज को रोकने के लिए आवश्यक टीकाकरण की व्यवस्था भी पूरी नहीं है।

उत्तर प्रदेश, हरियाणा व उत्तराखंड समेत कुछ राज्य जरूर इस दिशा में कार्य कर रहे हैं, लेकिन ज्यादातर की प्राथमिकता में यह नहीं है। पशु जन्म नियंत्रण के नियमों के अनुसार, कुल आबादी के 70 प्रतिशत कुत्तों को रेबीज का सालाना टीका लगाया जाना आवश्यक है, ताकि यह कुत्तों से कुत्तों में न फैले। कोई भी राज्य इस मानक को पूरा नहीं कर रहा है।

घर में पढ़ाई का माहौल नहीं मिला तो अन्यत्र व्यवस्था

अनुष्का कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने एक बालिग हुई युवती को आश्वासन दिया है कि यदि उसे घर में पढ़ाई का उचित माहौल नहीं मिला तो वह अन्यत्र व्यवस्था कराएंगे। यह आश्वासन कोर्ट ने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया।

भोपाल के बजरिया क्षेत्र में पिता के साथ रहने वाली युवती 12वीं के बाद आगे पढ़ाई करना चाहती थी, लेकिन पिता उसे अनुमति नहीं दे रहे थे और उसकी शादी का दबाव बना रहे थे। इससे परेशान होकर उसने घर छोड़ दिया और इंदौर चली गई। वहां उसने एक निजी कंपनी में नौकरी की

उत्तर प्रदेश में 20 लाख से अधिक आवारा कुत्ते हैं, जिनमें से 5.32 लाख का बंधियाकरण और टीकाकरण किया जा चुका है, जो लगभग एक चौथाई है। गत 1 अप्रैल से 31 अक्टूबर तक 80 हजार आवारा कुत्तों का बंधियाकरण और टीकाकरण किया गया है। इसके लिए केंद्र या राज्य सरकार की ओर से अलग से कोई बजट नहीं दिया जाता है, बल्कि नगर निगम अपने स्तर पर यह कार्य करते हैं।

एक बंधियाकरण और टीकाकरण पर लगभग 1,100 से 1,200 रुपये का खर्च आता है। दिल्ली में आवारा कुत्तों की संख्या का कोई आंकड़ा उपलब्ध नहीं है, लेकिन प्रतिवर्ष एक लाख से अधिक कुत्तों का बंधियाकरण किया जाता है। टीकाकरण भी होता है। 20 केंद्र हैं, जहां प्रतिदिन 500

और सिविल सर्विस की तैयारी के लिए कोचिंग

युवती जनवरी 2025 में घर छोड़कर गई थी। तब उसकी उम्र साढ़े सत्रह वर्ष थी। उसके परिवार ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई, लेकिन महीनों तक कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद पिता ने जबलपुर हाई कोर्ट में याचिका दायर की। पुलिस ने करीब 10 महीने बाद युवती को इंदौर से बरामद किया और पांच नवंबर को कोर्ट में पेश किया।

हाई कोर्ट में युवती ने कहा कि उसके पिता उसे स्कूल और कोचिंग जाने पर प्रताड़ित करते थे। इस कारण वह घर

कुत्तों का बंधियाकरण होता है। इसके लिए 13 करोड़ रुपये बजट का प्रविधान है।

हरियाणा सरकार के मुताबिक, राज्य में 2 लाख 30 हजार 675 आवारा कुत्ते हैं। इनमें 60 हजार 812 कुत्तों की नसबंदी, टीकाकरण और टैगिंग की जा चुकी है। 90 आश्रय स्थल हैं। 11 जिलों में कोई आश्रय स्थल नहीं बना है और 13 जिलों में नसबंदी का कार्य रुका हुआ है। उत्तराखंड में ढाई लाख से अधिक आवारा कुत्ते होने का अनुमान है। देहरादून, हरिद्वार, हल्द्वानी, अल्मोड़ा और ऊधम सिंह नगर के रुद्रपुर व काशीपुर में पशु जन्म नियंत्रण केंद्र बनाए गए हैं, जहां एनजीओ के माध्यम से 53 हजार कुत्तों का बंध्याकरण और टीकाकरण किया जा चुका है।

छोड़कर चली गई थी। युवती के गायब होने के बाद पिता अपने अन्य तीन बच्चों की भी पढ़ाई छोड़वाकर पत्नी के साथ वापस बिहार अपने गांव चला गया था।

केशरी दर्पण समाचार पत्र के ऑनलाइन पत्रकार बने।
www.kesharidarpan.com
पर रजिस्टर/लॉगिन करें।

KD सम्पादक सुभाष चंद
9837749557
www.kesharidarpan.com

शिक्षक एवं कर्मचारी 25 नवंबर को दिल्ली कूच करेंगे

सुधीर कश्यप, मेरठ। शिक्षक पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता एवं एनपीएस-यूपीएस एवं निजीकरण के विरोध तथा पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर शिक्षक एवं कर्मचारी आगामी 25 नवंबर को दिल्ली कूच करेंगे।

अटेवा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पश्चिमी जोन प्रभारी चंद्रहास सिंह ने कहा कि 25 नवंबर को दिल्ली में टीईटी परीक्षा अनिवार्यता एनपीएस-यूपीएस एवं निजीकरण के विरोध में महारैली राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार बंधु के नेतृत्व में होगी, जिसमें देश के लाखों शिक्षक एवं कर्मचारी लामबंद होकर प्रतिभाग करेंगे। कहा कि यह वक्त संगठित होकर संघर्ष करने का है। यदि संगठित होकर संघर्ष करेंगे तो निश्चित ही सुखद परिणाम मिलेंगे।

मंडलाध्यक्ष इंद्रेश यादव कहा कि संघर्ष शिखर पर है, संगठित होने की आवश्यकता है। जिलाध्यक्ष मुनीराम सिंह व वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय तोमर ने कहा कि अटेवा ईमानदारी से पुरानी पेंशन बहाली के लिए संघर्षरत है। हमारा संघ अटेवा के आंदोलन में साथ है।

जिलाध्यक्ष बुलंदशहर राजन खान व गौतम बुद्धनगर रविन्द्र कुमार ने कहा कि पुरानी पेंशन हमारा संवैधानिक अधिकार है। इसके लिए एकजुट होकर संघर्ष जारी रहेगा।

यूपी-112 हर पल आपके साथ

प्रमोद कश्यप, लखनऊ। यूपी-112 हर पल आपके साथ है। इसी भरोसे और सुरक्षा के संदेश के साथ यूपी-112 जनता के बीच उतरने जा रही है। जन-जागरूकता की बात, जन-जन के साथ थीम पर उत्तर प्रदेश पुलिस की आपात सेवा यूपी-112 एक विशेष अभियान शुरू करने जा रही है। यह अभियान चरण बद्ध तरीके से प्रदेश के सभी जनपदों में चलेगा, जिसके प्रथम चरण अभियान आगरा कमिश्नरेट एवं आगरा जोन के सभी जनपदों में संचालित होगा।

इस अभियान का उद्देश्य जनता को यूपी-112 का अन्य सभी आपात सेवाओं के साथ एकीकरण, महिलाओं हेतु नाइट एस्कॉर्ट सेवा और बुजुर्गों हेतु सवेरा योजना जैसी विशेष सेवाओं के बारे में जानकारी देकर जागरूक करना है।

8 जनपदों में नुक्कड़ नाटक, सचल एल ई डी वैन और जनता से सीधे संवाद से बढ़ेगा सुरक्षा का भरोसा। इस विशेष अभियान के तहत तीन टीमों क्रम से

आगरा, अलीगढ़, मैनपुरी, मथुरा, हाथरस, एटा, फिरोजाबाद तथा कासगंज में व्यापक रूप से जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित करेंगी।

प्रत्येक टीम में यूपी-112 मुख्यालय के पुलिस अधिकारी के नेतृत्व में प्रचार प्रसार दल के 12 सदस्य होंगे, जो तीन दिन तक प्रत्येक जनपद में रुककर वहाँ के स्कूल-कॉलेजों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, प्रमुख स्थानों पर जाकर नुक्कड़ नाटकों और एलईडी वैन पर चलने वाले वीडियो, सुरक्षा संदेश और जन संवाद श्रृंखला के माध्यम से लोगों को जागरूक करेंगे।

टीम 10 से 12 नवंबर तक कमिश्नरेट आगरा, 13 से 15 नवंबर तक मथुरा और 16 से 18 नवंबर फिरोजाबाद में कार्यक्रम करेगी। टीम 10 से 12 नवंबर तक अलीगढ़, 13 से 15 नवंबर तक हाथरस और 16 से 18 नवंबर तक कासगंज में कार्यक्रम करेगी। टीम 'ए' 10 से 12 नवंबर तक मैनपुरी और 13 से 15 नवंबर तक एटा में कार्यक्रम करेगी।

राजकुमार यादव, नरेश कुमार, मो. उवेश, अतुल श्रीवास्तव, राम बहादुर वर्मा व अजय शुक्ला ने बैठक में शामिल कर्मचारियों को संबोधित किया।

नोट: पत्र में छपे लेख, लेखकों के निजी विचार हैं, सम्पादक का इन लेखकों के विचारों से सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी प्रकार के विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र बागपत होगा।

RNI. No. UPHIN/2010/36806, मालिक, मुद्रक, प्रकाशक सुभाष चन्द ने इण्डियन प्रेस, राजेन्द्र नगर, मेरठ से छपवाकर कार्यालय ग्राम वाजिदपुर, पोस्ट तहसील बडौत, जिला बागपत से प्रकाशित किया। सम्पादक: सुभाष चन्द, मो. 9837749557, प्रबन्धक सम्पादक: डा. प्रवीण कुमार, (किसी भी विवाद के लिए बागपत न्यायालय मान्य)